



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]
No. 34]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 25, 2006/माघ 5, 1927
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 25, 2006/MAGHA 5, 1927

प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय

(उत्प्रवास महासंरक्षी का कार्यालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2006

सा.का.नि. 39(अ).—जबकि भारत सरकार द्वारा रोजगार के प्रयोजन के लिए विदेश जाने वाले भारतीय उत्प्रवासियों के लिए एक बीमा योजना अर्थात्, प्रवासी भारतीय बीमा योजना, 2003, 13 नवम्बर, 2003 को अधिसूचित की गई थी।

जबकि भारत सरकार योजना में संशोधन आवश्यक समझती है ताकि उत्प्रवासी कर्मकारों को व्यापक रूप में कवर किया जा सके।

अतः, अब भारत सरकार निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्

1. लघु शीर्षक एवं प्रारम्भ:—

- (i) यह स्कीम प्रवासी भारतीय बीमा योजना, 2006 कही जाएगी।
- (ii) यह पहली फरवरी, 2006 से लागू होगी।

2. प्रयोज्यता:—

- (i) यह स्कीम भारत के उन सभी नागरिकों पर लागू होगी जो उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) के अंतर्गत यथापेक्षित उत्प्रवास अनुमति के लिए आवेदन करते हैं और उसे प्राप्त कर लेते हैं।

- (ii) यह स्कीम उस देश में युद्ध अथवा आन्तरिक संघर्ष की स्थिति में लागू नहीं होगी जिसके लिए भारत के उक्त पालिसी धारक नागरिक कार्य के लिए गए हों।

3. परिभाषा:—

इस स्कीम में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हों,

“उत्प्रवासी” का तात्पर्य भारत के ऐसे नागरिक से है जो उत्प्रवास करना चाहता है, अथवा उत्प्रवास करता है, अथवा उत्प्रवास कर लिया है लेकिन इसमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं :—

- (क) उत्प्रवासी का आश्रित, चाहे ऐसा आश्रित उसके साथ गया हो अथवा उस देश में उस उत्प्रवासी के साथ रहने के प्रयोजन के लिए बाद में जाता है जिसमें उस उत्प्रवासी ने कानूनी रूप में उत्प्रवास किया है;
- (ख) कोई व्यक्ति जो अट्ठारह वर्ष की आयु होने के पश्चात् किसी समय भारत से बाहर तीन वर्ष तक रहा है अथवा ऐसे व्यक्ति की पत्नी अथवा बच्चा हो।

“उत्प्रवास संरक्षी” से तात्पर्य उत्प्रवास अधिनियम, 1983 की धारा 3 के अंतर्गत नियुक्त उत्प्रवास संरक्षी से है और इसमें धारा 5 के अंतर्गत प्राधिकृत व्यक्ति शामिल है।

“बीमा कम्पनी” से तात्पर्य कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत बनाई गई और पंजीकृत कम्पनी के भी बीमाकर्ता से है।

“बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण” से तात्पर्य बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (1999 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) के अंतर्गत स्थापित बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से है।

4. उत्प्रवास अनुमति के लिए आवेदन करने वाले कठिपय व्यक्तियों द्वारा बीमा पॉलिसी लेने के लिए अपेक्षाएँ :—

(i) अपने पासपोर्ट पर उत्प्रवास जांच अपेक्षित नहीं पृष्ठांकन वाले सभी उत्प्रवासियों के लिए भारत में कार्यरत और बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (आई आर डी ए) में विधिवत पंजीकृत किसी बीमा कम्पनी से बीमा पॉलिसी लेना अनिवार्य होगा।

(ii) उत्प्रवास अनुमति के लिए संबंधित उत्प्रवास संरक्षी (पी ओ ई के समक्ष) को आवेदन करने वाला भारत का प्रत्येक नागरिक निम्नलिखित को शामिल करते हुए बीमा पॉलिसी प्राप्त करेगा :

(क) बीमा पॉलिसी न्यूनतम दो वर्ष की अवधि अथवा नियोजन ठेका की वास्तविक अवधि, जो भी अधिक हो, के लिए वैध होगी।

(ख) बीमित व्यक्ति को विदेश में रोजगार के समय मृत्यु अथवा रोजगार खोने लायक स्थायी विकलांगलता के मामले में न्यूनतम पांच लाख रुपये की राशि का कवर प्रदान किया जाएगा।

(ग) मृत्यु के मामले में, मृतक के शव को लाने की लागत के अलावा एक अनुचर के इकोनामी क्लास के वायुयान भाड़े की लागत की भी बीमा कम्पनी

द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी, प्रतिपूर्ति का दावा यात्रा पूरी होने के नब्बे दिनों के भीतर बीमा कम्पनी को प्रस्तुत किया जाएगा।

(घ) विदेश में रोजगार के दौरान किसी दुर्घटना/शारीरिक चोट से मृत्यु अथवा स्थायी विकलांगता की स्थिति में, बीमा कम्पनी बीमा पॉलिसी की समाप्त हो जाने के पश्चात भी बीमाकृत राशि की प्रतिपूर्ति करेगी बशर्ते कि दुर्घटना बीमा कवर के चालू रहने के दौरान घटी हो और इस सम्बन्ध में दावा दुर्घटना की तारीख से 12 कलैन्डर महीनों के भीतर किया गया हो।

(ङ.) बीमा कम्पनी बीमित कर्मकार की बीमा अवधि के दौरान दुर्घटना से लगी चोटों और/या बीमारी/रुग्णता/रोगों के आधार पर भारत में अथवा उस देश में जहां वह रोजगाररत है, अस्पताल में भर्ती के मामले में न्यूनतम पचास हजार रुपये मात्र का चिकित्सा बीमा कवर प्रदान करेगी।

(च) बीमा कम्पनी उपर्युक्त 4 (ii) (ङ.) के मामले में या तो कैश-लेस हॉस्पिटलाईजेशन और/अथवा वास्तविक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति करेगी बशर्ते चिकित्सा इलाज भारत में कराया जाए।

(छ) यदि बीमित व्यक्ति बीमार पड़ जाता है अथवा कार्य शुरू करने या कार्य जारी रखने या कार्य ग्रहण के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से अनुपयुक्त घोषित कर दिया जाता है और विदेशी नियोजक द्वारा बीमा कवर लेने के पहली छमाही के भीतर सेवा करार समाप्त कर दिया जाता है तो बीमा कम्पनी द्वारा इकोनॉमी क्लास के एक तरफ के हवाई जहाज के भाड़े की प्रतिपूर्ति की जाएगी बशर्ते कि प्रत्यावर्तन के आधार सम्बन्धित भारतीय मिशन/पोस्ट द्वारा प्रमाणित किया जाए और हवाई जहाज के टिकट मूल रूप में प्रस्तुत किये जाएं।

(ज) विदेश में अपने कार्य स्थल अथवा गंतव्य स्थल पर पहुंचने पर नियोजक द्वारा उत्प्रवासी कर्मकारों को लेने न आने अथवा बीमित व्यक्ति के नुकसान में जॉब/रोजगार ठेका/करार में कोई मौलिक परिवर्तन किए जाने अथवा उत्प्रवासी को सेवा अवधि के भीतर बिना किसी गलती के समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में बीमा कम्पनी एक तरफ के इकोनॉमी क्लास के हवाई जहाज भाड़े की प्रतिपूर्ति करेगी बशर्ते कि प्रत्यावर्तन के आधार सम्बन्धित भारतीय मिशन/पोस्ट द्वारा प्रमाणित किए जाएं और हवाई जहाज के टिकट मूल रूप में प्रस्तुत किए जाएं।

(झ) ऐसे मामलों में जहां प्रत्यावर्तन का प्रबन्ध भारतीय मिशन/पोस्ट द्वारा किया जाता है, बीमा कम्पनी वास्तविक खर्च की राशि का भुगतान सम्बन्धित भारतीय मिशन/पोस्ट को करेगी।

(झ) इस पॉलिसी के अंतर्गत बीमा में महिला उत्प्रवासियों को प्रसूति लाभ भी प्रदान किया जाएगा जो बीस हजार रुपये का न्यूनतम कवर होगा। यदि इलाज

उस देश में कराया जाता है जहां वह रोजगाररत है तो प्रसूति लाभ तभी प्रदान किया जाएगा जबकि अपेक्षित दस्तावेज सम्बन्धित भारतीय मिशन/पोस्ट द्वारा प्रमाणित हों।

(ट) भारत में उत्प्रवासी कामगार का परिवार जिसमें पति/पत्नी और इक्कीस वर्ष तक की आयु के दो आश्रित बच्चे शामिल हैं बीमित व्यक्ति की मृत्यु अथवा स्थायी विकलांगता के मामले में अस्पताल में भर्ती का पात्र होगा जिसकी राशि प्रति वर्ष पच्चीस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी।

(ठ) एक व्यक्ति अपने रोजगार से सम्बन्धित किसी मुकदमेबाजी पर उसके द्वारा किये गये कानूनी खर्च के सम्बन्ध में न्यूनतम पच्चीस हजार रुपये की राशि के लिए बीमित होगा बशर्ते कि ऐसे मामले को दायर करने की आवश्यकता को उस देश के उचित मंत्रालय द्वारा प्रमाणित किया गया हो। खर्च की गई वास्तविक राशि संबंधित भारतीय मिशन/पोस्ट द्वारा प्रमाणित की जाएगी।

(ड) बीमा कम्पनियां समुचित और उपयुक्त प्रीमियम लेंगी। सेवा कर, जो भी लागू हो, अलग से लगाया जाएगा।

5. प्रवासी भारतीय बीमा योजना, 2006 इसके लागू होने की तारीख से प्रवासी भारतीय बीमा योजना, 2003 का स्थान लेगी।

[फा. सं. जैड-11025/185/2005-उत्प्रवास]
आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव/उत्प्रवास महासंरक्षी

MINISTRY OF OVERSEAS INDIAN AFFAIRS
(Office of Protector-General of Emigrants)
NOTIFICATION

New Delhi, the 25th January, 2006

G.S.R. 39(E).—Whereas an insurance scheme for Indian emigrants going abroad for employment, viz., the Pravasi Bharatiya Bima Yojana, 2003 was notified by the Government of India on 13th November, 2003.

Whereas the Government of India considers it necessary to amend the scheme with a view to provide broader coverage to the emigrant workers.

Now, therefore, the Government of India hereby makes the following scheme, namely: -

1. Short title and commencement:-

- (i) This Scheme may be called the Pravasi Bhartiya Bima Yojana, 2006.
- (ii) It shall come into force on the 1st day of February, 2006.

2. Application: -

- (i) This Scheme shall apply to all citizens of India who apply for and obtain an emigration clearance as required under the Emigration Act, 1983 (31 of 1983).
- (ii) This Scheme shall not apply in the event of war or internal conflict in the country to which the citizens of India holding the said policy has gone for work.

3. Definition: -

In this Scheme, unless the context other requires,

“Emigrant” means any citizen of India who intends to emigrate, or emigrates, or has emigrated but does not include:

- (a) a dependent of an emigrant, whether such dependent accompanies that emigrant, or departs subsequently for the purpose of joining that emigrant in the country to which that emigrant has lawfully emigrated;
- (b) any person who has resided outside India at any time after attaining the age of eighteen years, for not less than three years or the spouse or child of such person;

“Protector of Emigrants” means a Protector of Emigrants appointed under section 3 and includes a person authorized under section 5 of the Emigration Act, 1983.

“Insurance Company” means any insurer being a company formed and registered under the Companies Act, 1956.

23061/06-2

“Insurance Regulatory Development Authority” means the insurance Regulatory and Development Authority established under sub-section – (1) of Section 3 of the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999).

4. Requirement of taking insurance policy by certain persons applying for emigration clearance:

- (i) It shall be mandatory for all emigrants with Emigration Check Required (ECR) endorsement on their passports to take an insurance policy from any Insurance Company operating in India and duly registered with the Insurance Regulatory Development Authority (IRDA).
- (ii) Each citizen of India applying for emigration clearance from the concerned Protector of Emigrants (POE) shall obtain an Insurance policy covering the following:
 - a) The Insurance policy shall be valid for a minimum period of two years or the actual period of employment contract, whichever is longer.
 - b) The Insured person shall be covered for a minimum sum of five lakh rupees in the event of death or permanent disability leading to loss of employment while in employment abroad.
 - c) In case of death, besides the cost of transporting the dead body, the cost incurred on economy class return airfare of one attendant shall also be re-imbursed by the Insurance company. The claim for re-imbursement shall be filed with the Insurance company within ninety days of completion of journey.
 - d) In the event of death or permanent disability due to any accident/physical injury sustained while in employment abroad, the Insurance company shall re-imburse the sum assured even after expiry of the Insurance policy provided the accident occurred during currency of the Insurance cover and claim in this regard is filed within 12 calendar months from the date of the accident.
 - e) The Insurance company shall provide medical insurance cover of a minimum of Rupees fifty thousand only in case of hospitalization of the insured worker in an emergency on grounds of accidental injuries and/or sickness/ailments/diseases occurring during the period of Insurance whether in India or in the country of his employment.
 - f) The Insurance company shall either provide cash-less hospitalization and/or reimburse the actual medical expenses in the event of 4 (ii) (e) above, provided the medical treatment is in India.
 - g) If the insured person falls sick or is declared medically unfit to commence or continue or resume working and the service contract is terminated by the foreign employer within the first twelve months of taking the insurance cover, the actual one-way Economy Class airfare shall be re-imbursed by the Insurance company provided the grounds for repatriation are certified by the concerned Indian Mission/Post and the Air-tickets are submitted in original.

- h) On arrival at his work place or destination abroad, if the emigrant worker is not received by the employer or if there is any substantive change in the job/Employment Contract/Agreement to the disadvantage of the insured person, or if the employment is prematurely terminated within the period of employment for no fault of the emigrant, the Insurance Company shall re-imburse one-way Economy Class airfare provided the grounds for repatriation are certified by the concerned Indian Mission/Post and the Air-tickets are submitted in original.
- i) In cases where the repatriation is arranged by the Indian Mission/Post, the Insurance Company shall re-imburse the actual expenses to the concerned Indian Mission/Post.
- j) The Insurance under this policy shall also provide maternity benefits to women emigrants, subject to a minimum cover of twenty thousand rupees. In case of medical treatment in the country of employment, the maternity benefits would be provided only if the requisite documents are certified by the concerned Indian Mission/Post. The re-imbursement shall be restricted to actuals.
- k) The family of the emigrant worker in India consisting of spouse and two dependent children upto twenty one years of age shall be entitled to hospitalization cover in the event of death or permanent disability of the insured person for an amount not exceeding twenty-five thousand rupees per annum.
- l) An insured person shall be covered for a minimum sum of twenty-five thousand rupees in connection with the legal expenses incurred by him in any litigation relating to his/her employment, provided the necessity of filing such case is certified by the appropriate Ministry of that country. The actual expenses incurred will be certified by the concerned Indian Mission/Post.
- m) The Insurance companies shall charge fair and reasonable premium. Service tax will be charged as applicable.

5. The Pravasi Bhartiya Bima Yojana, 2006 will replace the Pravasi Bharatiya Bima Yojana, 2003 w.e.f. the date of its coming into force.

[F. No. Z-11025/185/2005-Emig.]

R. K. SINGH, Jt. Secy./Protector General of Emigrants